जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

8 फ़रवरी 2024

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया ने मनाई स्वर्गीय डॉ. जाकिर हुसैन की 127वीं जयंती

जामिया मिलिया इस्लामिया ने आज भारत रत्न से सम्मानित, देश के तीसरे राष्ट्रपति और जामिया के तीसरे कुलपति स्वर्गीय डॉ. जाकिर हुसैन की 127वीं जयंती मनाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में स्थित उनके मकबरे पर विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। प्रार्थना सभा में विश्वविद्यालय के अधिकारी, जामिया स्कूलों के छात्र और डॉ जाकिर हुसैन के परिवार के सदस्य शामिल हुए।

8 फरवरी, 1897 को जन्मे जाकिर हुसैन ने इटावा स्कूल से पढ़ाई की, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से एमए की उपाधि प्राप्त की। वह प्रोफेसर वर्नर सोम्बर्ट की देखरेख में बर्लिन विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में पीएचडी करने के लिए सितंबर 1922 से फरवरी 1926 तक जर्मनी में रहे, जिसे 1926 में "सुम्मा कम लाउड" मंजूरी दी गई थी।

जर्मनी में अपने सहयोगियों, डॉ. आबिद हुसैन और मोहम्मद मुजीब के साथ, जाकिर हुसैन 1926 में जामिया आए। वह 22 वर्षों (1926-48) तक जामिया के कुलपति रहे। यह उनका दृष्टिकोण ही था जिसने जामिया को बड़े वित्तीय और वैचारिक संकट के समय में एकजुट रखा और उन्होंने 'जामिया के आजीवन सदस्य' बनाने में नेतृत्व किया, जिन्होंने जामिया को 20 साल की सेवा देने का वादा किया। उनके व्यक्तिगत बलिदान और अत्यंत विपरीत परिस्थितियों में जामिया को बचाए रखने के अथक प्रयासों से उन्हें अपने कट्टर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की भी सराहना मिली।

उन्होंने 1948 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में ज़िम्मेदारी संभालने के लिए जामिया छोड़ दिया। वह बिहार के राज्यपाल, भारत के उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति बने। 3 मई 1969 को डॉ. ज़ाकिर हुसैन का निधन हो गया, वे पहले भारतीय राष्ट्रपति थे जिनका पद पर रहते हुए निधन हुआ।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया